मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 13 अप्रैल 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	14-04-14	15-04-14	16-04-15	17-04-15	18-04-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	35	35	37	39	41
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	25	26	27	28	29
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	40	32	28	22	20
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	17	19	15	13	7
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	11	9	9	13	21
हवा की दिशा	पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–दक्षिण–पूर्व	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

इस सप्ताह मौसम खुला रहनें का अनुमान। जहॉ रबी की फसल की कटाई या थ्रैसिंग का काम पूरा नही हुआ है वहॉ इस काम के लिए उचित समय है। थ्रैसिंग का काम फसल अच्छी तरह सुखाने पर ही करें तथा अनाज के भंडारण से पहले भी पूरी तरह धूप मे सुखा लें।

सिंचित कपास की बुवाई से 2–3 सप्ताह पहले 25 से 30 गाडी गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर की दर से जुताई कर भूमि मे मिला दें।

ग्रीष्मकालीन सब्जियों में विषाणु रोग के लक्षण दिखाई देने पर रोग को रोकने के लिए डाइमिथोएट 30 ई.सी. दवा का एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें।

बहु–कटाई वाली चरी में बुवाई के 25 से 30 बाद 30 किलो ग्राम नत्रजन (65 किलो ग्राम यूरिया) दें।

रबी फसलों की कटाई के बाद खाली पड़े खत की गहरी ग्रीष्मकालीन जुताई करें।

पशुओं को संतुलित दाना–बांटा मिश्रण दें। इसके अतिरिक्त विटामिन व लवण मिश्रण निर्धारित अनुपात में देते रहें।